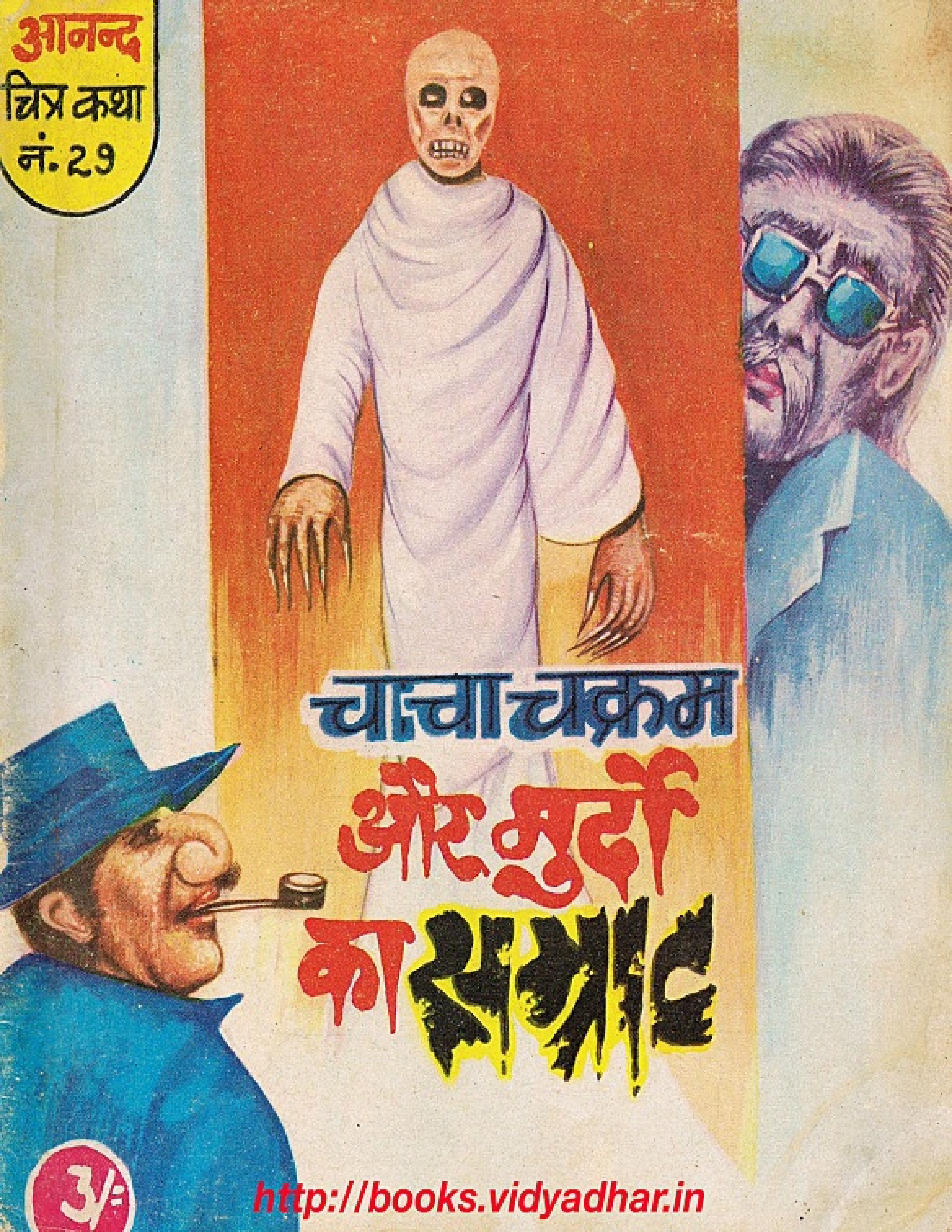


आनन्द
चित्र कथा
नं. २१
चाचा चक्रम
और मुर्दों का सम्राट
3/-

इस सैट की पुस्तकें

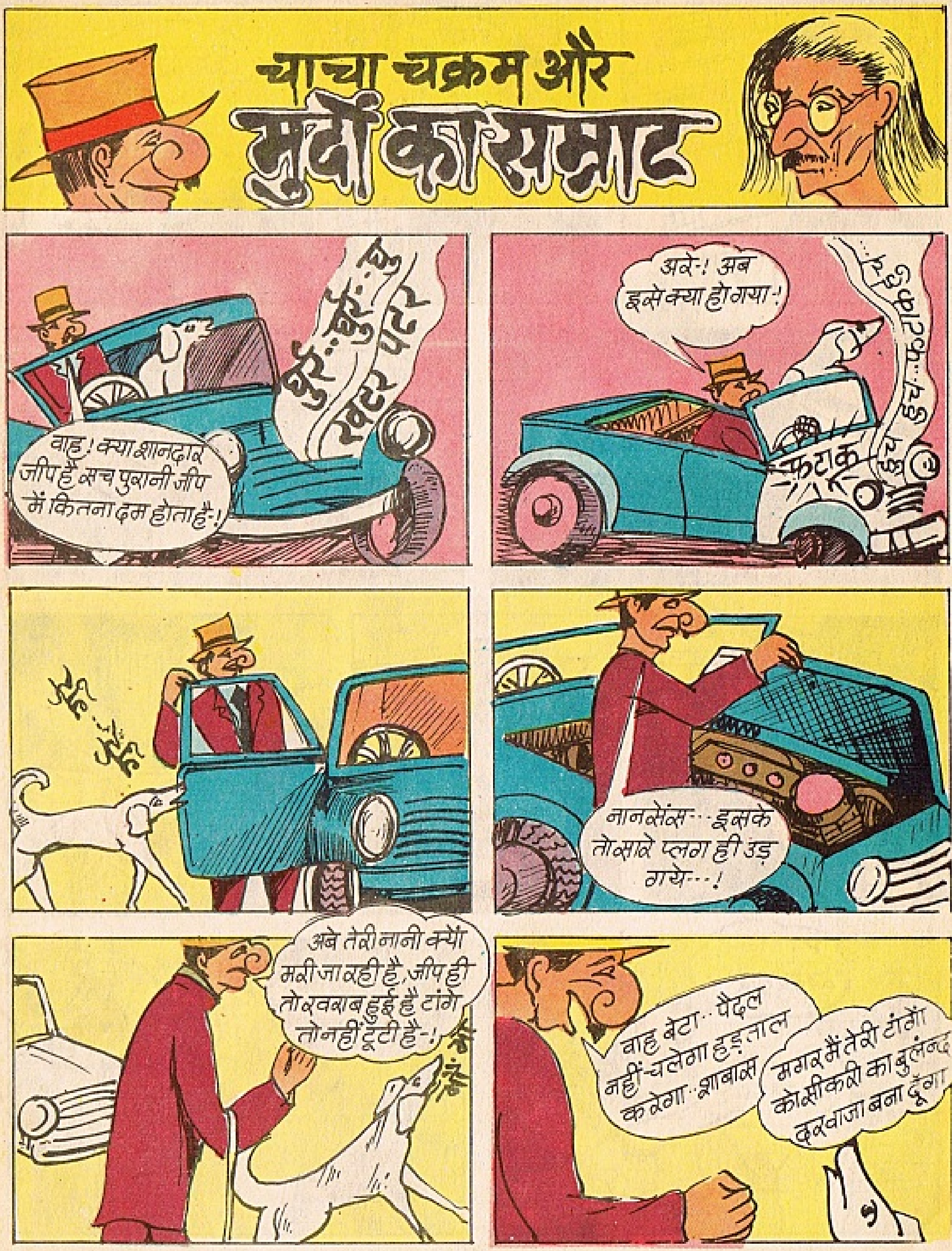
चाचा चकमा और मुर्दों का सम्राट 3/

सागर का शैतान
का. शेखचिल्ली सीरीज़ 3/

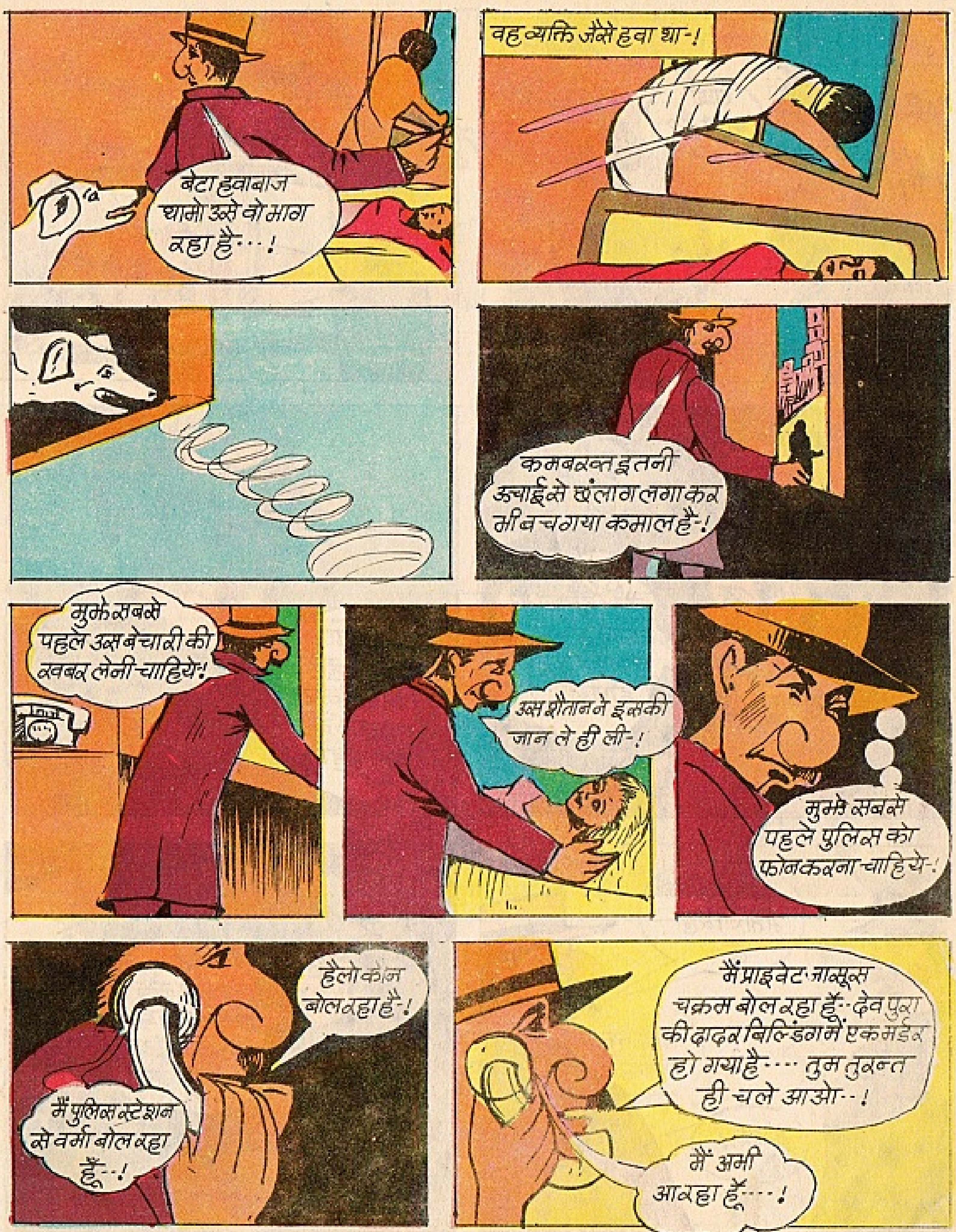
मौत का फ़रिश्ता
बंटी पिंटू सीरीज़ 3/

लाली-डाली और जमाखोरों की टक्कर 3/

* प्रकाशिका - सारदा जैन * सम्पादक - आनन्द जैन


चाचा चक्रम और
मुर्दों का सम्राट
वाह! क्या शानदार जीप है सच पुरानी जीप में कितना दम होता है-!
अरे-! अब इसे क्या हो गया-!
फटाक
नानसेंस... इसके तो सारे प्लग ही उड़ गये...!
अबे तेरी नानी क्यों मरी जा रही है, जीप ही तो खराब हुई है टांगे तो नहीं टूटी है-!
वाह बेटा.. पैदल नहीं चलेगा हड़ताल करेगा.. शाबास
मगर मैं तेरी टांगों को सीकरी का बुलन्द दरवाजा बना दूंगा


ब--चा--ओ
बचाओ
बचाओ
चीखें स्त्री कंठ की हैं-!
चीखों से तो लगता है कोई अबला नारी खतरे में है-!
आओ बेटा हवाबाज देखें मामला क्या है-!
ब...ब...ब... ...चाओं... गे-गो गो....बचाऽऽओं!
ए.. ..! खबरदार--!



बेटा हवाबाज थामो उसे वो भाग रहा है...!
वह व्यक्ति जैसे हवा था-!
कमबख्त इतनी ऊंचाई से छलांग लगा कर भी बच गया कमाल है-!
मुझे सबसे पहले उस बेचारी की खबर लेनी चाहिये!
उस शैतान ने इसकी जान ले ही ली-!
मुझे सबसे पहले पुलिस को फोन करना चाहिये-!
हैलो कौन बोल रहा है-!
मैं पुलिस स्टेशन से वर्मा बोल रहा हूँ-!
मैं प्राइवेट जासूस चक्रम बोल रहा हूँ.. देवपुरा की द्वादर बिल्डिंग में एक मर्डर हो गया है.... तुम तुरन्त ही चले आओ..!
मैं अभी आ रहा हूँ....!


कुछ देर बाद--!
लाश कहाँ है?
उधर सोफे पर--!
गला घोट कर हत्या की गयी है--!
ओह
मुझे दुख है--- हत्यारा मेरे सामने ही भाग निकलने में सफल होगया---!
बड़ा पचीदा मामला है-- हत्या का कोइ भी कारण मेरी समझ में नहीं आ रहा--!
अब तुम जानो मैं तो जा रहा हूँ--!
मगर!!
ओह--! चाचा तो मुझे एक बहुत बड़ी उलझन में डाल कर चले गये-!


एक सुबह सवेरे--!
यह इंसपेक्टर वर्मा सुबह-सुबह क्यों मिलने आया है-!
गुड मार्निंग चाचा--!
आओ-! इंसपेक्टर वर्मा बैठो--!
कहो कैसे आये-!
मैं बड़ी परेशानी में फंस गया हूँ चाचा-!
मैं क्या मदद कर सकता हूँ तुम्हारी-!
मेरे इलाके में पिछली रात मिसेज़ नसीमा की हत्या हो गयी--जिसकी सूचना आपने मुझे फोन पर दी थी---!


आज एक और विचित्र घटना प्रकाश में आई है चाचा चक्रम…!
वह क्या?
कल सुबह सलीम नामक एक मृतक को कब्र में दफनाया गया था, आज सुबह उसकी लाश कब्र से बाहर पड़ी थी-!
ओह-!
इसमें चौंकाने वाली बात ये है कि सलीम नसीमा का पति था-!
कमाल है एक ही दिन में पति पत्नी की मृत्यु--!
सवाल तो यह है कि सलीम की लाश कब्र से ऊपर कैसे आई और नसीमा की हत्या किसने की-!
क्या आप मुझे सलीम की लाश दिखवा सकते है-!
क्यों नहीं आईये मेरे साथ चलिये-!


अरे! यह तो वही है---!
मगर--मगर यह कैसे संभव है--?
वही कौन चाचा-चक्रम-!
आप यह क्या कह रहे हैं चाचा मुझे भी तो कुछ बताईये--?
मैने इस आदमी को पिछली रात नसीमा की हत्या करते हुये देखा था--!
असंभव! यह तो सलीम है नसीमा का पती, इसकी मौत कल सुबह हो गयी थी, यह नसीमा की हत्या कैसे कर सकता है--!


यही मैं भी सोच रहा हूं---लेकिन मेरी आंखें धोका नहीं खा सकती-!
अरे हवाबाज कहाँ चला गया-!
हवाबाज-!
वाह बेटा, तुमने तो कब्र खोदने के औजार भी खोज लिये-!
अभी यहाँ से कोई भी चीज हटाइये नहीं, मै देखुगा इन घटनाओं में क्या रहस्य है--!


यह किसका जनाजा है भाई--!
इकबाल मियां भरी जवानी में जन्नतनशी हो गये बेचारे---!
सलीम भी जवान था--और यह भी-!
बेटा ! आज रात हमें इसी कब्रिस्तान को नापना होगा-!
कूं--कूं कू--ऽऽऊं
ये कब्र में सोने वालो मुर्दो, मैं तुम्हें आज नई जिन्दगी दूंगा-! उठो जागो-!
तैयार रहो बेटा हवाबाज--!
गुर--गुर
अचानक--!
खबरदार हिलना मत--!


तुम आखिर फंस ही गये...?
गुर्र-गुर्र-
भागने की कोशिश बेकार है, बोलो इस तरह कब्र खोदने के पीछे तुम्हारा क्या उद्देश्य है-!
चक्रम कुबड़े के बारे में अनुमान लगाने में थोड़ा भूल कर गये-!
वह बहुत फुर्तिला था---!
पकड़ना हवाबाज...!
कमबख्त बहुत तेज निकला-!



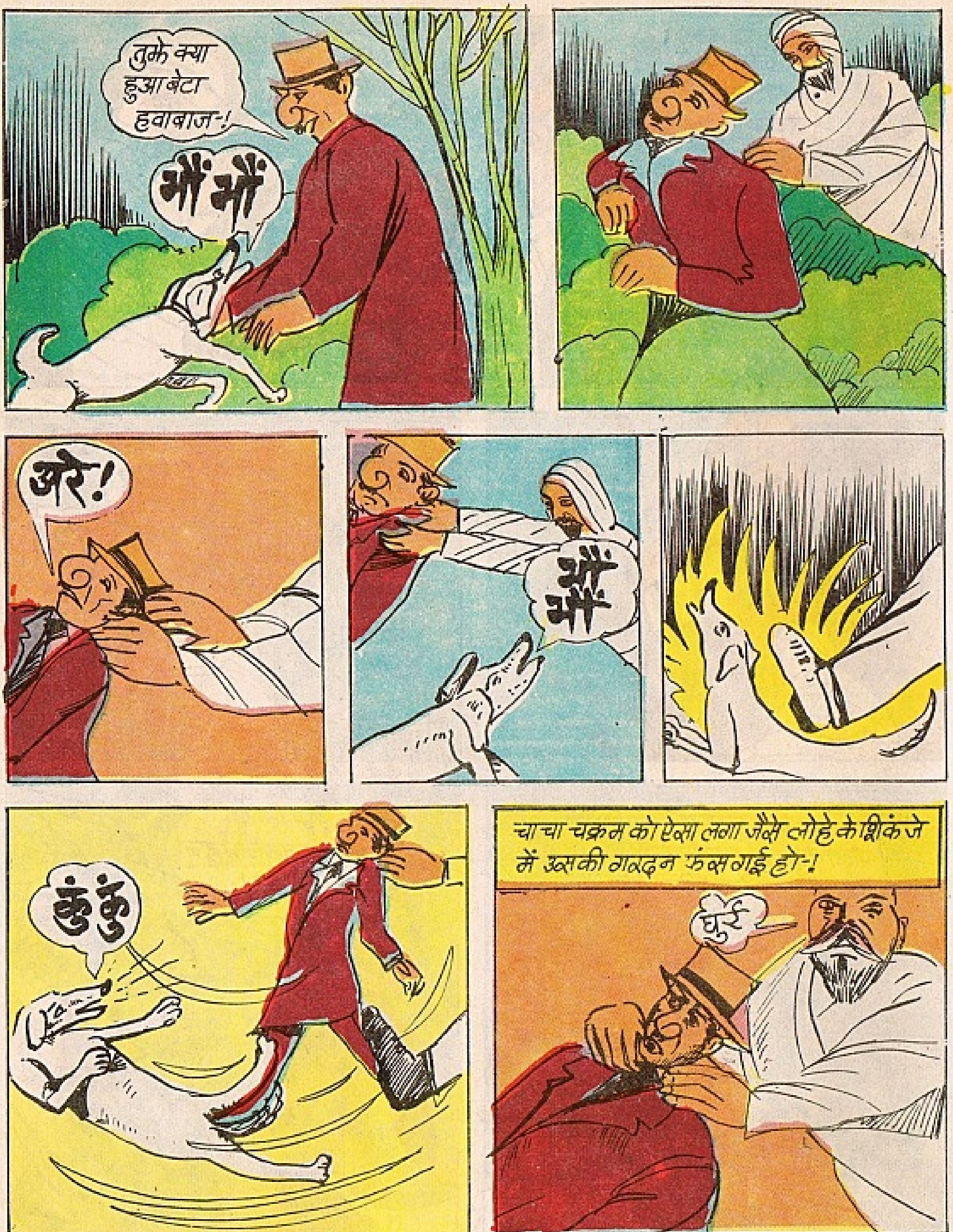
अरे! यह इतनी जल्दी हवाबाज कहाँ गायब हो गया-!
क्या मुसीबत है भई--!
थोड़ी तलाश के बाद---!
अरे! इसे क्या हुआ है-!
चलो शुक्र है सिर्फ बेहोश है-!
लेकिन हवाबाज के बेहोश होने का मतलब है कि टक्कर जोरदार रही होगी-!
हवाबाज को फौरन डाक्टर को दिखवाना चाहिये!
जानवरों का डाक्टर
घबराने वाली कोई बात नहीं है, अभी होश आ जायेगा-!
कुछ देर बाद--!
घबराओ मत बेटा मैं समझ गया बेटा वो तुमसे शक्तिशाली होगा-!


उधर--!
क्या कहा? तुम असफल हो कर लौटे हो-!
मैं क्षमा चाहता हूँ मालिक!
तुम जानते हो हमारी अदालत में असफलता की एक ही सजा है-!
क्षमा करें मालिक-!
मैं नहीं चाहता कि मेरा कोई आदमी पुलिस की नजर में आये और फिर भविष्य में मेरे लिये खतरा बन जाये-!
आं-ऽ--ऽ
आं-उं--उं--


कुछ देर बाद वहाँ सिर्फ कंकाल ही रह गया!
हा-हा-हा-मुझसे कौन टकरा सकता है-मैं सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हूँ-!
मौत और जिन्दगी मेरी गुलाम है, आने वाले समय में, सारी दुनिया में मेरा ही शासन होगा-!
मैं उस जासूस को भी देख लूंगा जो मेरे रास्ते में रोड़े अटका रहा है, मैं उसे मार डालूंगा-!
हा-हा-
हा-हा


हूँ-- हूँ-- हूँ--!
तुम्हे याद होगा तुम मर गये थे मैने तुम्हे नया जीवन दिया है-!
मै तुम्हारा बहुत शुक्र गुजार हूँ-!
याद रहे तुम्हारा यह जीवन स्थाई नहीं है तुम्हे एक इंजेक्शन लगेगा!
और वह तब लगेगा जब तुम मेरी आज्ञाओं का पालन करोगें-!
जिंदा रहने के लिये कुछ भी कर सकता हूँ-!
शाबास--- उठो आज रात तुम्हे एक आदमी की हत्या करनी होगी-!
यह एक जासूस है, इसकी पहचान है, इसके साथ एक कुत्ता रहता है-!


जाओ··· कुत्ते और मालिक दोनों को खत्म कर दो-!
जो आज्ञा मालिक-!
सांय
हुआ
हुआ
सांय
सांय
इस बार हमारा पाला बहुत ही खतरनाक और शक्तिशाली मुजरिम से पड़ा है बेटा-!
इस लिये हमें सावधान रहना है!


तुझे क्या हुआ बेटा हवाबाज-!
भौं भौं
अरे!
भौं भौं
ऊं ऊं
चाचा चक्रम को ऐसा लगा जैसे लोहे के शिकंजे में उसकी गरदन फंस गई हो-!
हुर्र


लेकिन चाचा भी कम नहीं था--!
अभी बताता हूँ बेटा तुझे--!
गुर्र
गुर्र
गुर्र--
गुर्र--


अबे ! भाग कहाँ रहा है-!
हैलो चाचा--- क्या बात है--!
अभी अभी दुश्मन के एक आदमी ने मुझ पर हमला किया था-!
ओह--- आईये आप जीप में बैठ जाईये-!
दुश्मन का उद्देश्य कुछ कुछ मेरी समझ में आ रहा है--लेकिन मैं अभी दुश्मन को पहचान नहीं पाया हूँ--!
मुझे तो लगता है चाचा इस केस को आप ही हल कर सकते हैं-!


मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा हूँ -!
कोई सेवा हो तो बताईये मैं तैयार हूँ -!
जरूर बताऊँगा -!
दूसरी सुबह -!
अगर यह जुर्म कोई मानव कर रहा है -- तो इसका विगत से जरूर से कोई लिंक होगा -!
पन्द्रह साल पुराने अखबार में -।
टाइम्स
विज्ञान की दुनिया में धमाका
वैज्ञानिक शर्मन का दावा कि- उसने मुर्दे को जिंदा करने की विधि खोज निकाली है और जल्दी ही उसका प्रदर्शन भी करेगा।
अरे ! यह जिन्दगी और मौत के बारे में क्या छपा है !
कोई वैज्ञानिक शर्मन ने मुर्दों को जिन्दा करने का दावा किया है मुझे उससे मिलना चाहिये --!

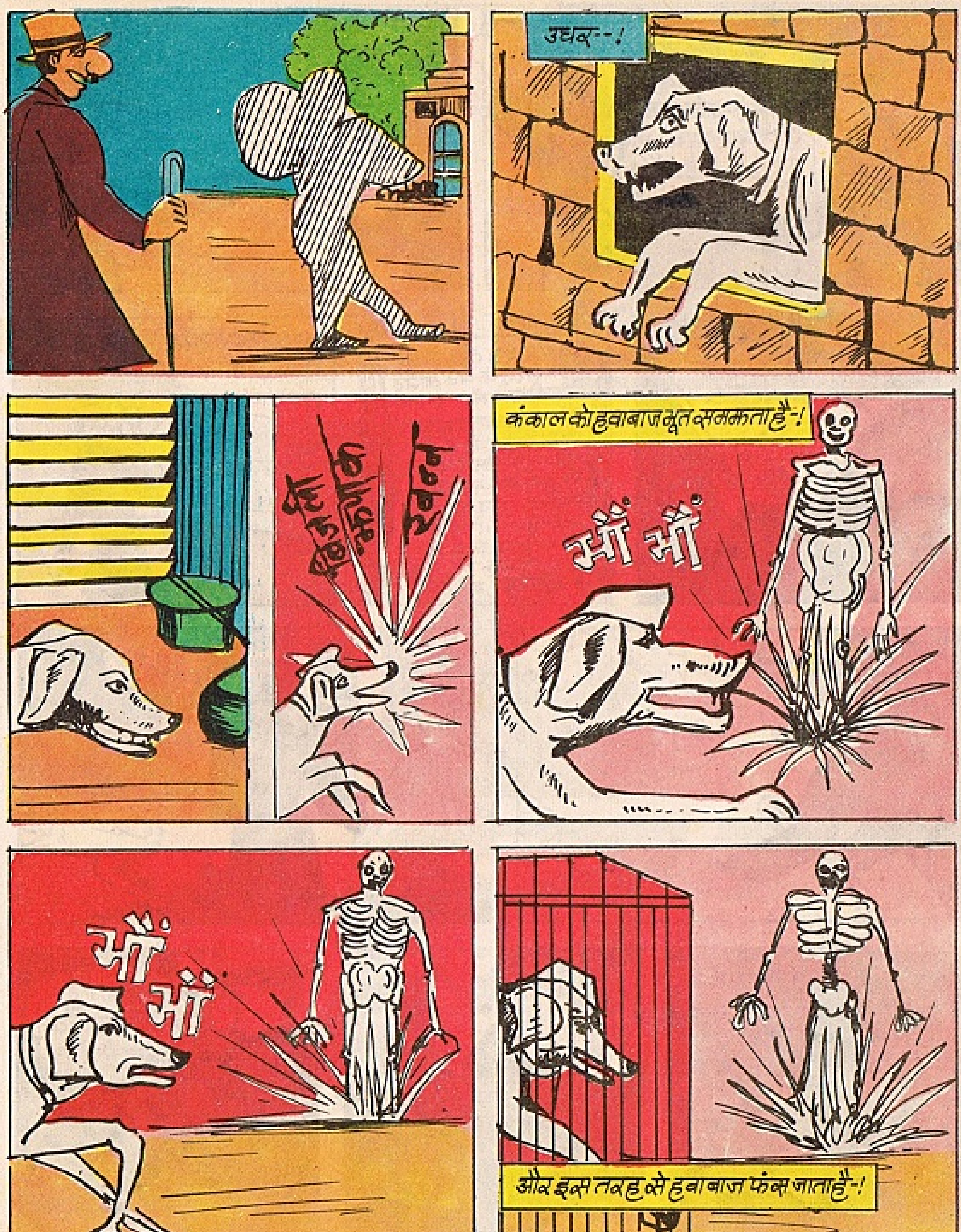

अपने जमाने का प्रसिद्ध वैज्ञानिक यहाँ रहता है...!
कोई है अन्दर-!
कौन हैं आप-!
आप मुझे नहीं जानते, लेकिन मैं आपको जानता हूँ-!
मैं समझा नहीं--!
मुझे चक्रम कहते हैं, मैं जासूस हूँ-पन्द्रह साल पहले आपके अखबार में छपे बयान के बारे में आपसे मिलने आया हूँ--!
अन्दर आ जाईये--!



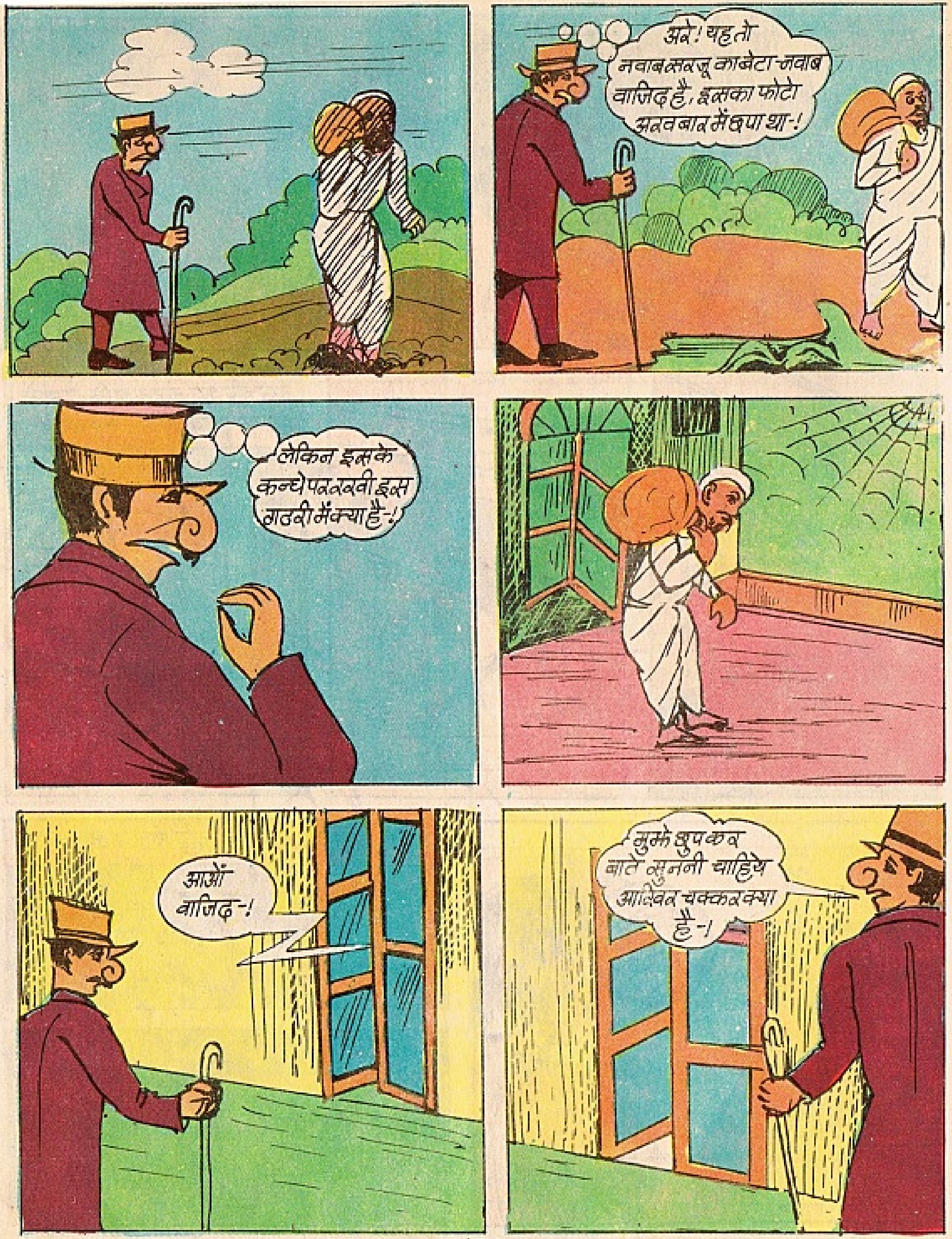
हाँ अब बताइये आप क्या कह रहे थे--!
पन्द्रह वर्ष पहले आपने अखबार में ब्यान दिया था कि आप मुर्दों को जिंदा करने के सिलसिले में प्रयोग कर रहे हैं, मगर बाद में इस सम्बन्ध में कुछ भी पता नहीं चला-!
शर्मन--यह जासूस तो पुराने मुर्दे उखाड़ रहा है!
आप क्या सोचने लगे मिस्टर शर्मन---!
असल में मैं उस प्रयोग में सफल नहीं हो पाया था!
क्या आपने फिर भी कोशिश की थी-!
मेरे पास रूपयों की कमी थी-!
क्या आप इस मकान में अकेले रहते हैं-!
मैं इस दुनियाँ में ही अकेला हूँ-!


बात यह है कोई आपके वाले प्रयोग में सफल हो गया है और मुर्दों को जिंदा करके अपने किसी उद्देश्य को पूरा करना चाहता है-!
इस सिलसिले में ताजा लाशें कब्रों से गायब हो रही हैं, दो दिन पहले एक मरे हुये व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी---!
अगर ऐसा हो रहा है तो बहुत ही बुरा हो रहा है-!
अगर आपको पैसा मिल जाये तो क्या उस प्रयोग को फिर कर सकते हैं-!
मैं बूढ़ा हो चुका हूँ, मुझ में उतनी ताकत भी नहीं रही है-!
अब मुझे आज्ञा दीजिये-!
यह इंसान जरूरत से ज्यादा चालाक है-!
जरूर दाल में काला है, खैर देखेंगें-!


आज की ताजा खबर मुर्दे ने अपना घर लूट लिया - ताजा खबर -!
समाचार इस तरह है कि नवाब सरजू के बेटे वाजिद जिसकी कल मौत हो गयी थी, आज अचानक घर लौट आया घर के लोग उसे भूत समझ कर घर से भाग गये. वाजिद ने किसी को कुछ नहीं कहा अपने बाप की तिजोरी से और रुपया सब्ज, और जेवर निकाल कर चलता बना पुलिस उसे तलाश -
इस खबर ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी -!
ओह ! तो असल चक्कर यह है -!
उसी रात -!
तुम लोगों को मैंने समझा दिया है कि तुम्हें क्या करना है -!
यह कौन है मुझे इसका पीछा करना चाहिये -!


उधर--!
कंकाल को हवाबाज भूत समझता है-!
भौं भौं
भौं भौं
और इस तरह से हवाबाज फंस जाता है-!


उधर चीपू
मगर चीपू क्या जानता था कि दो आंखें बराबर उसका पीछा कर रही हैं-!
खतरे का अहसास होते ही चीपू छलांग लगा देता है-!
लेकिन बच नहीं पाता---!

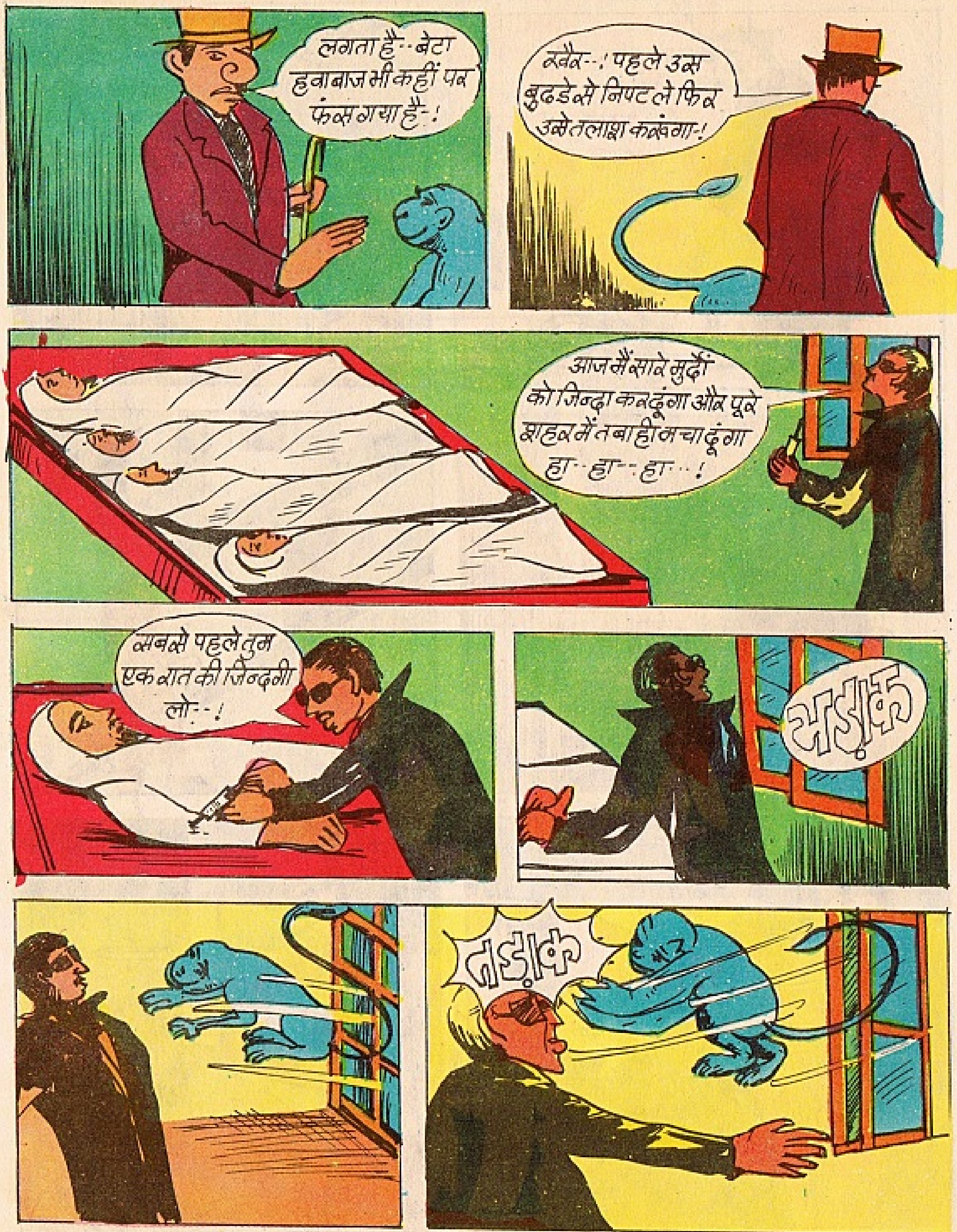


अरे! यह तो नवाब सरजू का बेटा नवाब वाजिद है, इसका फोटो अखबार में छपा था-!
लेकिन इसके कन्धे पर रखी इस गठरी में क्या है-!
आओ वाजिद-!
मुझे छुपकर बातें सुननी चाहिये आखिर चक्कर क्या है-!


मैं आगया हूँ मालिक, अपने पिता की तिजोरी से सब कुछ निकाल लाया हूँ-!
शाबास! हम तुमसे खुश हुये-!
अब मेरी जिंदगी को स्थाई कर दो मालिक-!
ओह! मेरे इंजेक्शन का समय हो गया है-!
मैं.. मुझे जल्दी से इंजेक्शन दो वरना मैं मर जाउँगा-!
हा..हा..हा मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ, वाजिद जो तुम्हें दोबारा से जिंदगी दूँ---!


हा-हा-हा-- अब मेरे पास भरपूर दौलत है, मैं अपना प्रयोग पूरा कर सकता हूँ--!
मैं मुर्दों का सम्राट हूँ-- जिन्दगी और मौत मेरे हाथ में है-!
ओह
तभी--!
खटाक
ओह! यह इंसान तो पूरा शैतान सा लगता है-!
चक्रम को बेहोश होने के बाद होश आता है-!
लगता है मैं बुरी तरह से फंस गया हूँ ओह--आह--!
अगर मैंने जल्दी ही निकलने की तरकीब न की तो वह शैतान मुझे मार डालेगा-!
मेरे नाखूनों में ब्लेड है, जिनसे मैं अपने बंधन काट सकता हूँ-!

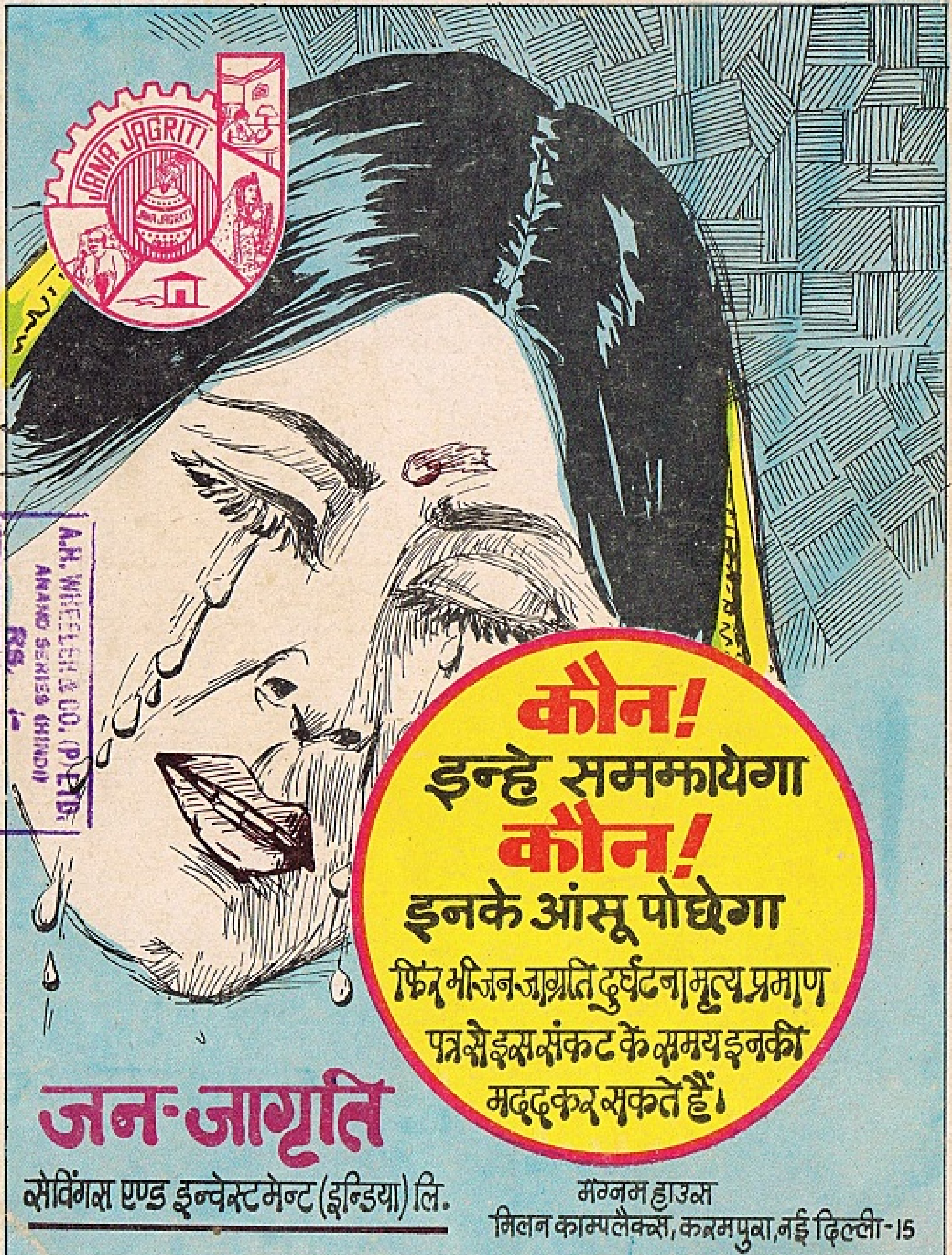

दरवाजा तो नहीं खुलेगा··· लेकिन इस रोशनदान से निकला जा सकता है-!
अबे-चीपू कैसे फंस गया जाल में-!
चीं··चीं चीं··चीं


लगता है..बेटा हवाबाज भी कहीं पर फंस गया है..!
खैर..! पहले उस बुढडे से निपट लूं फिर उसे तलाश करूंगा..!
आज मैं सारे मुर्दों को जिन्दा कर दूंगा और पूरे शहर में तबाही मचा दूंगा हा..हा..हा..!
सबसे पहले तुम एक रात की जिन्दगी लो..!
धड़ाक
तड़ाक



तुमने समझा था कि बुराई के रास्ते पर चल कर बच जाओगे जबकि तुम यह भूल गये कि बुराई का अन्त हमेशा बुरा होता है!
बूढ़ा भी शक्तिशाली था-!
गुई..
गुई..
तड़ाक
ढिशुंग
तड़ाक
तड़ाक
तड़ाक


अरे! यह तो बहोश हो गया, इसे पुलिस स्टेशन ले चलते हैं-!
लो इंसपेक्टर अपने मुजरिम को संभालो-!
अरे यह तो प्रसिद्ध वैज्ञानिक शर्मन है-!
जी हाँ! यही इस केस का असली मुजरिम है-!
पन्द्रह वर्ष पहले शर्मन ने इंसान को ज़िंदा करने का प्रयोग किया था, वो सफल भी रहा था-! बाद में उसके मन में लालच आ गया था-!
वह इंसान को सिर्फ चौबिस घन्टे की जिन्दगी ही लौटा सकता था, प्रयोग को सफल करने के लिये उसे लाखों रुपये की जरूरत थी, इसके लिये उसने ये रास्ता अपनाया था, मुर्दों को जिंदा करके उनके जेवर और नकदी मंगवाता था-!
मेरे ख्याल में अब आप पूरी कहानी को समझ गये होंगे-!
इतने भयानक मुजरिम को पकड़वाने में आपने सहयोग दिया उसके लिये आपको धन्यवाद-!
समाप्त


JANA JAGRITI
कौन!
इन्हे समझायेगा
कौन!
इनके आंसू पोछेगा
फिर भी जन जाग्रति दुर्घटना मृत्यु प्रमाण
पत्र से इस संकट के समय इनकी
मदद कर सकते हैं।
जन-जागृति
सेविंग्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट (इन्डिया) लि.
मैग्नम हाउस
मिलन काम्पलैक्स, करमपुरा, नई दिल्ली-15
A.H. WHEELER & CO. (P) LTD.
ANAND SERIES (HINDI)